CBCS

बी.ए. ½प्रोग्राम½ हिंदी

CC

(कोर/अनिवार्य प्रश्नपत्र)

सेमेस्टर-1

1.1 हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

इकाई-1 **आदिकाल**

- हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय
- आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण
- आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-2 **भक्तिकाल**

- भक्ति आंदोलन : उद्‌भव और विकास
- भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-3 **रीतिकाल**

- रीतिकाल : नामकरण
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-4 **आधुनिककाल**

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
- आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप

सहायक ग्रंथ

- हिंदी भाषा – धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
- आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ – अनिल राय
- हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

सेमेस्टर-2

2.1 हिंदी कविता ¼मध्यकाल और आधुनिक काल½

इकाई-1 : कबीर-ग्रंथावली; माता प्रसाद गुप्त; लोकभारती, 1969 ई.

कबीर – साँच कौ अंग (1) भेष कौ अंग (5, 9, 12) संग्रथाई कौ अंग (12)

सूरदास – सूरसागर-सार, संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन, 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खंड); संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद संख्या - 277, 355, 401, 412, 490

इकाई-2 :

बिहारी – रीतिकाव्य-संग्रह, जगदीश गुप्त, ग्रंथम, कानपुर, 1983 ई.

छंद संख्या – 9, 13, 18, 21, 58, 66, 67

घनानंद – रीतिकाव्य-संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण; 1961 ई.

छंद संख्या – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई-3 :

मैथिलीशरण गुप्त – रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खंड; साहित्य सदन; झाँसी)

छंद संख्या – 123 से 128

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री! (लहर, लोकभारती प्रकाश, 2000)

हिमालय के आगन में . . . (स्कन्दगुप्त : भारती भण्डार, इलाहाबाद, 1973 ई.)

इकाई-4 :

हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी . . . (हरिवंश राय बच्चन : प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल पेपर बैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल पेपर बैक्स, 2009)

भवानीप्रसाद मिश्र – गीत-फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन; द्वितीय संस्करण, 1970 ई.)

सहायक ग्रंथ :

- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
- बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- सूरदास – ब्रजेश्वर शर्मा
- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- घनानंद और काव्यधारा – मनोहर लाल
- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य – कमलकांत पाठक
- प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह दिनकर
- प्रसाद का काव्य – प्रेम शंकर
- जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
- हरिवंशराय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
- आधुनिक हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

सेमेस्टर-3

3.1 हिंदी कथा साहित्य

इकाई-1 : उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई-2 : उपन्यास : गबन – प्रेमचंद

इकाई-3 : कहानी : स्वरूप और संरचना

इकाई-4 : कहानी : परदा – यशपाल

रोज - अज्ञेय

दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर

दाज्यू - शेखर जोशी

हरी बिंदी - मुदुला गर्ग

सहायक ग्रंथ

- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
- एक दुनिया समानान्तर - राजेन्द्र यादव
- कहानी : नई कहानी – नामवर सिंह
- नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
- हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान - रामदरश मिश्र
- हिंदी कहानी की रचना-प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
- साहित्य से संवाद - गोपेश्वर सिंह
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी

सेमेस्टर-4

4.1 अन्य गद्य विधाएं

इकाई-1

- शिवशंभु के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन – बालमुकुंद गुप्त
- साहित्य का उद्देश्य – प्रेमचंद

इकाई-2

- भक्तिन : संस्मरण- महादेवी वर्मा
- अदम्य जीवन – रांगेय राघव

इकाई-3

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद : एकांकी - मोहन राकेश

इकाई-4

- उखड़े खंभे - हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
- लक्खा बुआ ('नंगा तलाई का गाँव' से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

सहायक ग्रंथ :

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- गद्यकार जानकी वल्लभ शास्त्री – पाल भसीन
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- निबंधों की दुनिया – विजयदेवनारायण साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा
- निबंधों की दुनिया - शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी